हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई 2025

11 पारंपरिक परिधान में सज-धजकर शामिल हुई महिलाएं...

12 डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग का रेपिड फीवर सर्वे अभियान...

फतेहाबाद। बस अड्डा परिसर में रोडवेज कर्मचारियों से अपने परीक्षा केंद्र तक जाने वाली बसों की जानकारी लेते अभ्यर्थी व उनके अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

फतेहाबाद। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के दस्तावेजों की जांच करते ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

फतेहाबाद। परीक्षा केन्द्र का दौरा करते एसपी सिद्धांत जैन। फोटो: हरिभूमि

फतेहाबाद। जेएनवी खारा खेड़ी परीक्षा केंद्र पर दिव्यांग परीक्षार्थी को व्हीलचेयर पर बैठाकर केंद्र में भेजते पुलिस कर्मी। फोटो: हरिभूमि

प्रशासन की ओर से मुहैया करवाई हर प्रकार की सुविधा, परीक्षार्थियों ने की सराहना

सीईटी की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, दूसरे दिन दोनों शिफ्ट में 18,106 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा, 1,012 रहे गैरहाजिर

फतेहाबाद। परीक्षार्थी को चैक करते ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

फतेहाबाद। परीक्षा केन्द्र में जाते अभ्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

सिरसा। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के दौरान दस्तावेजों को चेक करती पुलिस।

फतेहाबाद। गुरूद्वारा सिंह सभा के बाहर लंगर चलाते प्रबंधक समिति सदस्य।

डीसी मनदीप कौर व एसपी सिद्धांत जैन ने परीक्षा केंद्रों पर प्रबंधों का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित सीईटी परीक्षा का रविवार शाम को शांतिपूर्ण समापन हुआ। रविवार को आयोजित हुई सीईटी-ग्रुप सी की दूसरे दिन की दोनों सत्रों की परीक्षा जिला में बने सभी 38 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। रविवार को आयोजित कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट की परीक्षा को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से कराते हुए डीसी मनदीप कौर व एसपी सिद्धांत जैन ने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया और परीक्षार्थियों के लिए किए गए प्रबंधों व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रविवार को दोनों सत्रों में कुल 19118 परीक्षार्थियों में से 18106 परीक्षार्थी उपस्थित रहे जबकि 1012 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सीईटी परीक्षा की सुबहकालीन सत्र में कुल 9559 परीक्षार्थियों में से 9049 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 510 परीक्षार्थी अनुपस्थिति रहे। इसी प्रकार से सायंकालीन सत्र में कुल 9559 परीक्षार्थियों में से 9057 परीक्षार्थियों ने यह परीक्षा दी जबकि 502 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। डीसी मनदीप कौर ने परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं सहित परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए बनाए गए शटल सर्विस प्वाइंट का निरीक्षण करते हुए कहा कि हर प्रकार की सुविधाएं परीक्षार्थी के लिए प्रशासन की ओर से मुहैया कराई गई है। डीसी ने बताया कि जिला के परीक्षार्थियों को दूसरे जिलों में बने परीक्षा केंद्र तक लेकर जाने व वापिस लाने के लिए भी प्रशासन की ओर से स्पेशल बसों का संचालन किया गया है।

फतेहाबाद। बस अड्डा परिसर में परीक्षार्थियों के लिए अनाउसमेंट करते रोडवेज कर्मचारी।

गाड़ी हुई पंचर, पुलिस ने परीक्षा केंद्र पहुंचाया

सीईटी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए हिसार से सिरसा जा रहे परीक्षार्थी अमित कुमार एवं उसके चार अन्य साथियों, जिनमे तीन महिला भी शामिल थी, की गाड़ी का टायर रास्ते में अचानक पंचर हो गया। दुर्भाग्यवश, जो दूसरा टायर लगाया गया वह भी पंचर निकला, जिससे सभी परीक्षार्थी समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने को लेकर चिंतित हो उठे। इसी दौरान मार्ग से गुजर रही पुलिस की एक गाड़ी में सवार फतेहाबाद पुलिस के एएसआई जगसीर सिंह ने मानवीयता का परिचय देते हुए गाड़ी रुकवाई और स्थिति की जानकारी ली। परीक्षार्थी अमित कुमार से जानकारी प्राप्त होने के पश्चात एएसआई जगसीर सिंह ने तत्परता से एक अन्य वाहन को रुकवाया और चार परीक्षार्थियों को तुरंत सिरसा की ओर रवाना किया, ताकि वे समय पर परीक्षा केंद्र पहुंच सकें। इसके उपरांत उन्होंने अमित कुमार की गाड़ी का टायर मरम्मत करवाकर उसे भी जल्द ही परीक्षा केंद्र की ओर रवाना किया। पुलिस द्वारा दिखाए गए इस संवेदनशील और तत्पर व्यवहार की सभी स्थानीय लोगों और परीक्षार्थियों ने खुले दिल से सराहना की।

परीक्षार्थियों की हर सुविधा का रखा ध्यान

उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग अभ्यर्थियों की हर सुविधा का ध्यान रखा। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए रोडवेज की अतिरिक्त बसें चलाई गई। जरूरत पडने पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त वाहन की भी व्यवस्था की गई थी। रोडवेज विभाग के अधिकारियों ने भी बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए समय-समय पर विशेष सेवाएं चलाई गई।

जाम से बचने के लिए बैरिकेडिंग-पार्किंग की सुविधा

सीईटी परीक्षा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने परिवहन व्यवस्था को प्राथमिकता दी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक समय पर पहुंचाने के लिए रोडवेज और निजी वाहनों की विशेष सेवाएं चलाई गई। अभ्यर्थियों को मुफ्त और त्वरित बस सेवाएं उपलब्ध करवाई गई। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो। यातायात प्रबंधन के लिए पुलिस और ट्रैफिक विभाग की टीमें लगातार सक्रिय रहीं। सुरक्षा व्यवस्था भी अभेद्य रही। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या जाम की स्थिति से बचने के लिए बैरिकेडिंग और विशेष पार्किंग की सुविधा दी गई।

बस अड्डा पर हुई अनाउंसमेंट का मिला फायदा

सीईटी परीक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन और हरियाणा रोडवेज फतेहाबाद डिपो द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। फतेहाबाद बस अड्डा पर आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक सुगमता से पहुंचाने के लिए रोडवेज कर्मचारियों ने निरंतर अनाउंसमेंट कर रूट और बसों की जानकारी साझा की। परीक्षा दिवस पर सुबह से ही रोडवेज कर्मचारियों ने बस अड्डा परिसर में माइक्रोफोन से विभिन्न रूटों की बसों के समय और गंतव्य की घोषणा की, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को बस पकडने में परेशानी न हो। इसके अतिरिक्त बस अड्डा पर विशेष हेल्प डेस्क भी बनाई गई, जहां से कर्मचारी अभ्यर्थियों को सही बस और रूट की जानकारी उपलब्ध करवा रहे थे। रोडवेज महाप्रबंधक अजय दलाल ने बताया कि परीक्षा को देखते हुए अतिरिक्त बसें चलाई गई और शहर से बाहर जाने वाले परीक्षार्थियों के लिए विशेष रूट तय किए गए। प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया गया कि हर अभ्यर्थी समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंच सके। अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों ने रोडवेज और प्रशासन के इस सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि अनाउंसमेंट और हेल्प डेस्क की व्यवस्था से उन्हें बड़ी राहत मिली।

दिव्यांग छात्र को व्हीलचेयर पर बैठाकर पहुंचाया परीक्षा कक्ष

सीईटी परीक्षा के दौरान रविवार को एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया, जब गांव खाराखेड़ी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय परीक्षा केंद्र पर तैनात बडोपल चौकी प्रभारी रमेश कुमार एवं पुलिसकर्मियों ने दिव्यांग परीक्षार्थी सुखराज पुत्र बलविंद्र सिंह निवासी अमानी को पूर्ण सम्मान और सहयोग के साथ परीक्षा कक्ष तक पहुंचाया। जब सुखराज परीक्षा केंद्र पहुंचे, तो चलने-फिरने में असमर्थ होने के कारण उन्हें सहायता की आवश्यकता थी।

बड़ोपल चौकी टीम ने किया लंगर-पानी का प्रबंध

सीईटी परीक्षा के दौरान पुलिस चौकी बड़ोपल के प्रभारी उप निरीक्षक रमेश द्वारा गांव खाराखेड़ी परीक्षा केंद्र पर एक अनुकरणीय पहल की गई। उप निरीक्षक रमेश ने परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों और दूर-दराज से आए परीक्षार्थियों के लिए खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था कर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। इस व्यवस्था से जहां परीक्षार्थियों को राहत मिली, वहीं कड़ी धूप और लंबी ड्यूटी के बीच पुलिस कर्मियों को भी सहयोग प्राप्त हुआ। पुलिस की यह पहल समाज के प्रति उसके दायित्व और समर्पण को दर्शाती है।

सिरसा : दूसरे दिन 28276 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

- प्रशासन ने ली राहत की सांस, 95.83% रही उपस्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट सीईटी की परीक्षा रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हुए थे। शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली। जिला में बनाए गए 64 परीक्षा केंद्रों पर जहां रविवार को दोनों सत्रों में 29505 परीक्षार्थियों में से 28276 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 1229 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। रविवार को परीक्षार्थियों की उपस्थिति 95.83 प्रतिशत रही। वहीं शनिवार को 29503 परीक्षार्थियों में से 28226 परीक्षार्थी हाजिर हुए थे, जो उपस्थिति का 95.67 प्रतिशत रहा। परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को प्रथम सत्र में 14752 परीक्षार्थियों में से 14134 परीक्षार्थी हाजिर रहे और 618 परीक्षार्थी परीक्षा देने नहीं पहुंचे। वहीं दूसरे सत्र में 14753 परीक्षार्थियों में से 14142 परीक्षार्थी हाजिर रहे और 611 अनुपस्थित रहे। जिला में सीईटी परीक्षा के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंध से परीक्षार्थी और अभिभावक संतुष्ट नजर आए और बेहतर प्रबंधन के लिए आभार जताया। उपायुक्त शांतनु शर्मा और पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने पारदर्शिता के साथ परीक्षा के सफल संचालन के लिए हर पहलू पर बारीकी से नजर बनाए रखी। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने परीक्षा के सफल संचालन और सहयोग के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों व का आभार जताया।

सिरसा। दिव्यांग परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र ले जाती बीडीपीओ ऑफिर की गाड़ी।

अभ्यर्थियों की सहायता के लिए बनाए हेल्प डेस्क

जिला प्रशासन की सहायतार्थ अनेक शैक्षणिक व सामाजिक संगठनों ने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जिन्होंने बाहरी जिलों से सिरसा परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने में काफी मदद की। ये डेस्क यहां के रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड, पुलिस लाइन, शाह सतनाम सिंह चौक, महाराणा प्रताप सिंह चौक, परशुराम चौक, बाबा भूमणशाह चौक, वाल्मीकि चौक और गुरु गोविंद सिंह चौक पर बनाए गए जिन पर अभ्यर्थियों ने पूछताछ कर काफी सहायता ली। इसी प्रकार डेरा सच्चा सौदा के श्रद्धालुओं की ओर से इस परीक्षा को संचालित करने में जुटे हरियाणा परिवहन विभाग व बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों के लिए लंगर व शीतल पेयजल की व्यवस्था की।

सेवा में फतेहाबाद पुलिस दिखी तत्पर

फतेहाबाद। सीईटी परीक्षा को लेकर नकलरहित व व्यवस्थित करवाने को लेकर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने फतेहाबाद जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। पुलिस अधीक्षक ने एमएम कॉलेज, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, संस्कृति स्कूल और दरियापुर स्थित माउंट लिट्रा स्कूल सहित कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य द्वार, प्रवेश एवं निकासी मार्ग, परीक्षा कक्षों के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, ट्रैफिक प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों की सुरक्षा, सुविधा और समय पर केंद्र तक पहुंचना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसपी ने थाना प्रभारियों और तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि वे परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।

एक परीक्षार्थी के लिए स्पेशल गई बस

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जा रही सीईटी परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए। परीक्षा केंद्रों तक समय पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किए गए। इसी कड़ी में रतिया से सिरसा जाने वाले एक अभ्यर्थी को समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए रोडवेज विभाग ने सराहनीय कदम उठाते हुए स्पेशल बस चलाने का प्रबंध किया। यह अभ्यर्थी परीक्षा के लिए देर हो जाने के कारण समय पर केंद्र नहीं पहुंच पा रहा था। इसकी सूचना मिलते ही उपायुक्त मनदीप कौर के निर्देश पर रोडवेज विभाग ने तुरंत कार्रवाई की और अलग से बस की व्यवस्था कर अभ्यर्थी को समय पर सिरसा स्थित परीक्षा केंद्र पहुंचाया। प्रशासन की इस तत्परता और संवेदनशीलता की वजह से महिला अभ्यर्थी अपनी परीक्षा समय पर दे सकी।

यातायात व्यवस्था का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने यातायात ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी राजबिंद्र सिंह के ड्यूटी प्वाइंट पर रुककर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया और उनकी बेहतर ड्यूटी के लिए सराहना भी की। एसपी ने स्पष्ट किया कि शरारती तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर है। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाता है, अनुशासनहीनता करता है या परीक्षा प्रक्रिया में बाधा डालता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि फतेहाबाद पुलिस का प्रयास है कि सीईटी परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से संवेदनशीलता, सजगता और निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी निभाने का आह्वान किया तथा विश्वास जताया कि पुलिस और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से परीक्षा पूर्ण रूप से सफल होगी।

बीडीपीओ ने सरकारी गाड़ी में पहुंचाया परीक्षा केंद्र

चोपटा। सीईटी परीक्षा के दूसरे दिन एक सराहनीय उदाहरण सामने आया, जब सरकार की हिदायतों के तहत विकलांग परीक्षार्थियों को विशेष सहयोग प्रदान किया गया। जिला उपायुक्त के निर्देशानुसार जिले के गांव रूपावास की रहने वाली सुमित्रा पत्नी पवन कुमार को बीडीपीओ कार्यालय नाथूसरी चौपटा की ओर से सरकारी गाड़ी में घर से परीक्षा केंद्र रानियां तक पहुंचाया गया। इस सेवा के दौरान बीडीपीओ के कार्यालय नाथुसरी चोपटा की गाड़ी से सुमित्रा को सुरक्षित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया।

स्कूलों को मर्ज करने का किया विरोध

- मांगों को लेकर मिड डे मील वर्कर्स की बैठक, विधायक रनैल सिंह को सौपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

मिड डे मील वर्कर यूनियन के आह्वान पर वर्करों ने आज रतिया में गेट मीटिंग की और अपनी मांगों को लेकर विधायक जरनैल सिंह को ज्ञापन दिया। वर्कर्स ने विधायक से आह्वान किया कि महिलाओं की समस्याओं का समाधान सरकार से करवाया जाए। रतिया ब्लॉक की मिड डे मील वर्कर यूनियन की मीटिंग ब्लॉक प्रधान पुष्पा ने अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन ब्लॉक प्रधान किरणपाल कौर ने किया। जिला प्रधान गगनदीप कौर ने बताया कि जो भी सरकार स्कूलों को मर्ज कर रही है, इसको मिड डे मील वर्कर जूनियर बर्दाश्त नहीं करेगी और आंदोलन को तेज करेगी। उन्होंने कहा कि 3 अगस्त को सोनीपत में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन करेगी और हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के खिलाफ अपना प्रदर्शन किया और रतिया के विधायक जरनैल सिंह को अपना ज्ञापन सौंपा, जो कि हरियाणा सरकार तक पहुंचा जा सके और विधानसभा में विधायक उनकी समस्याओं का समाधान करवाए। इस अवसर पर सीटू जिला प्रधान जगीर सिंह, भट्ठा मजदूर यूनियन के जिला प्रधान मदन सिंह, ग्रामीण सफाई कर्मचारी गुरदास सिंह आदि मौजूद रहे।

रतिया। विधायक जरनैल सिंह को ज्ञापन देते हुए मिड डे मील वर्कर्स।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ को मिला नया नेतृत्व

योगेन्द्र वर्मा बने जिला प्रधान, अनूप गोरा महासचिव

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, जिला फतेहाबाद को अब एक नया नेतृत्व मिल गया है। रविवार को सेवन स्पाइस होटल, फतेहाबाद में आयोजित विशेष बैठक एवं सम्मान समारोह के दौरान संगठन के नये पदाधिकारियों की घोषणा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से योगेन्द्र वर्मा को जिला प्रधान और अनूप गोरा को जिला महासचिव नियुक्त किया गया। इनके साथ ही नवीन भाटिया को जिला प्रेस सचिव तथा सुनीता सिहाग व सुनीता जांडली खुर्द को महिला जिला उपप्रधान बनाया गया। यह नियुक्तियां संघ को नई दिशा देने, शिक्षक हितों की रक्षा करने और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से की गई हैं। इस अवसर पर संघ के राज्य चेयरमैन एवं राज्य शिक्षक पुरस्कार विजेता देवेन्द्र सिंह दहिया, राज्य कानूनी सलाहकार दलीप बिश्नोई, जिला कोषाध्यक्ष पवन चमारखेड़ा, जिला वरिष्ठ उपप्रधान भजन कंबोज सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

फतेहाबाद। राजकीय प्राथमिक शिक्षक के नए जिला प्रधान को बधाई देते शिक्षक।

संघ की गरिमा व शिक्षक हित रहेंगे सर्वोपरि : वर्मा

अपने उद्बोधन में विकास टुटेजा ने कहा कि राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ उनका परिवार रहा है। इन 18 वर्षों में जो सहयोग और स्नेह मिला, वह अविस्मरणीय है। नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि वह विश्वास करते हैं कि नई टीम संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। संघ के नव-निर्वाचित जिला प्रधान योगेन्द्र वर्मा ने कहा कि उनके कंधों पर अब नई जिम्मेदारी है। वह विश्वास दिलाते हैं कि संघ की गरिमा और शिक्षक हित सर्वोपरि रहेंगे। जिला महासचिव अनूप गोरा ने कहा कि वह शिक्षक समुदाय की समस्याओं को प्राथमिकता पर लेकर समाधान की दिशा में कार्य करेंगे और संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाएंगे। कार्यक्रम का समापन एक प्रेरणादायक और ससम्मान वातावरण में हुआ। शिक्षकों में नई टीम को लेकर उत्साह और विश्वास का माहौल दिखा।

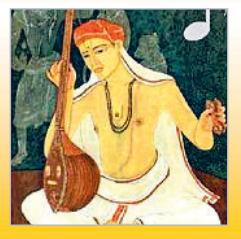

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं डेरु, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें श्रृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

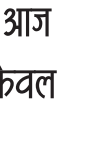

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या।
तनै त्योहार पै आणा छोड्या, तूँ कती निस्तरग्या।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट नै पड़वावैं सै।
काणी कूट बता कै देखो, फूट रौड का चाहैं सैं।
रोज दूसरे लोग आण के, इनने न्यूं बहकावैं सैं।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाह्क- भतेरे आवैं सैं।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये।
किते डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | रणबीर सिंह दहिया

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकेजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच कै खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै॥

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ॥

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ॥
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र | **अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी**

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | राज कुमार नरवाल

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | ओंकारेश्वर पांडेय

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

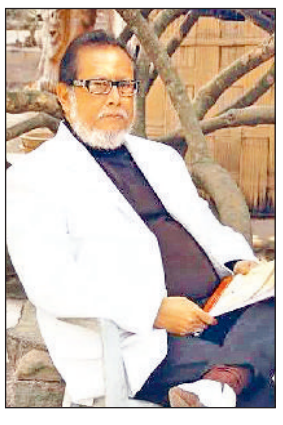

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

खबर संक्षेप

कारगिल के वीरों को अर्पित किए श्रद्धासुमन

सिरसा। लायंस क्लब सिरसा अमर के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रमेश साहुवाला ने कहा कि 26 जुलाई का दिन देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया हैं क्योंकि यह दिन देश के बहादुर बेटों के साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है। साहुवाला थेहड़ मोहल्ला में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतवासियों को गौरवान्वित करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह दिन न केवल भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित होता है बल्कि भारत की जीत की खुशी को याद दिलाता है।

झांसा देकर पैसे ठगने वाला गिरफ्तार

डबवाली। सदर थाना डबवाली की साइबर टीम ने इंस्टाग्राम पर सस्ते लेडीज सूटों का झांसा देने व पैसे रिफंड करने के नाम पर हजारों की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी को पुन्हाना मेवात से काबू किया है। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए है। सदर थाना डबवाली प्रभारी एसआई शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता के भाई ने शिकायत दी कि उसकी बहन इंस्टाग्राम चला रही थी तो उस पर सस्ते लेडीज सूटों का विज्ञापन दिखा रहा था। जिस पर उसने एक लेडीज सूट 550 रुपए युपीआई के माध्यम से उनके भेजे गए क्यूआर कोड पर कर दिए। जिसके बाद उन्होंने सूट की कीमत ज्यादा बताई।

दिव्यांग सहायता कार्यक्रम आयोजित

टोहाना। भारत विकास परिषद द्वारा कारगिल विजय दिवस पर रविवार को दिव्यांग सहायता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गांव समैण से एक जरूरतमंद दिव्यांग को सहज जीवन यापन हेतु तिपहिया साइकिल भेंट कर कारगिल शहीदों को नमन किया गया। परिषद के अनूप कुमार ने बताया कि शाखा द्वारा सतत प्रयास किया जाता है कि क्षेत्र के जरूरतमंद दिव्यांग नागरिकों की पहचान कर उन्हें यथासंभव सहयोग दिया जा सके। परिषद द्वारा कोशिश की जाती है कि दिव्यांग नागरिक की सहायता के माध्यम से दिव्यांग की अन्य पर निर्भरता कम करके आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस अवसर पर अनूप कुमार, कुश भार्गव,रघुनाथ राय, जितेंद्र बंसल, बजरंग गोयल, संजू गर्ग, ध्रुव कुमार, ग्राम पंचायत सदस्य अनिल लाम्बा उपस्थित थे।

सपाइसी होटल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

टोहाना। शहर के हिसार रोड स्थित स्पाइसी होटल में शनिवार देर रात करीबन ढाई बजे शॉर्ट सर्किट के कारण के आग लग गई जिससे होटल में रखा लाखों की कीमत का सामान जलकर नष्ट हो गया। आग की सूचना पाकर पहुंची दमकल विभाग की दो गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। मिली जानकारी अनुसार होटल मालिक मनदीप कुमार ने बताया कि वह होटल में बने कमरे में सो रहा था तो अचानक से धुआं आने लगाज जब वह बाहर आया तो देखा कि होटल के बाहर आग लगी हुई है। आग की सूचना पर साथ लगते पेट्रोल पंप के कर्मचारी भी बाहर आ गए तथा आग पर काबू पाने के लिए कार्य शुरू कर दिया। करीबन एक घंटे की कड़ी शक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने

जगजीवनपुरा और सुंदर नगर में चोरी, केस दर्ज

फतेहाबाद। एक तरफ पुलिस प्रशासन सीईटी परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने को लेकर जी-जान से जुटी है वहीं दूसरी ओर चोरों ने शहर के सुंदर नगर और जगजीवनपुरा क्षेत्र में दो जगह से हजारों का सामान चोरी कर लिया। जगजीवन पुरा और सुंदर नगर इलाकों में बीती रात दो अलग-अलग चोरी की घटनाएं सामने आई, जिन पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल मैसेज में लिखा गया है कि घरेलू सामान के साथ-साथ लेपटॉप चोरी का लिखा हुआ है। इसमें सिर्फ दो मोबाइल चोरी होने बारे कहा गया है।

ढाणी गोपाल गांव में धूमधाम से मनाई हरियाली तीज

पारंपरिक परिधान में सज-धजकर शामिल हुई महिलाएं, झूलों संग गाए लोकगीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

ढाणी गोपाल गांव में रविवार को हरियाली तीज का पारंपरिक उल्लास के साथ भव्य आयोजन किया गया। ग्रामीण संस्कृति की सुगंध से सराबोर इस आयोजन में महिलाओं ने अमृत सरोवर के किनारे झूलों की पिंग पर झूमते हुए हरियाणवी लोकगीतों की रसधारा बहाई। गांव की सरपंच रेशमा गोदारा के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने दिनभर त्योहार का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन यज्ञ से हुई, जिसमें सरपंच प्रतिनिधि रामकुमार गोदारा सहित समस्त पंचायत सदस्यों ने सुख-समृद्धि व गांव में शांति की कामना के साथ आहुतियां अर्पित की। तीज का उत्सव पूरी तरह ग्रामीण परंपराओं में रंगा हुआ नजर आया। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सज-धजकर शामिल हुई और 'झुला झूल रही सब सखियां, आई हरियाली तीज आज' जैसे हरियाणवी गीतों के साथ उत्सव को जीवंत किया। महिलाओं ने अमृत सरोवर के किनारे देसी घी से बने गुलगुले, सुवाली व अन्य पकवान मौके पर ही तैयार किए, जिन्हें ग्रामीणों ने बड़े चाव से स्वाद लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस सांस्कृतिक आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल हुआ। रेशमा गोदारा, गिनी देवी, शांति ढाका, कोमल सोनी, रजो देवी, शारदा गोदारा, संतोष खिचड़, संतरो देवी सहित कई महिलाओं ने तीज के पारंपरिक गीतों और नृत्यों से आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। हरियाली तीज के इस आयोजन ने गांव में पारंपरिक संस्कृति, आपसी सौहार्द और महिला सहभागिता की सशक्त मिसाल पेश की। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में लायंस क्लब भूना रॉयल के प्रधान मुकेश भूटानी, भागीरथ गोदारा, नंबरदार जगदीश चंद्र फगेड़िया, पंच सुभाष गोदारा, संजय कुमार, रामकुमार शर्मा, जय कुमार, सुरेंद्र कुमार, विकास रंगा, सतबीर सिंह गोदारा, मास्टर सीताराम, मंगल सिंह पवार, रामप्रसाद फौजी, शेर सिंह गोदारा सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

भूना। ढाणी गोपाल गांव में हरियाली तीज पर झूले झूलती वृद्ध महिला।

बैजलपुर में हरियाली तीज पर सांस्कृतिक उल्लास की छटा बिखरी

भूना। ग्राम पंचायत बैजलपुर द्वारा रविवार को हरियाली तीज का पर्व पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक भव्यता के साथ अमृत सरोवर परिसर में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच हेमंत सिंह बैजलपुरिया और समाजसेवी कविता झूंझाड़ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। समारोह में ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक हरियाणवी परिधान धारण कर मेहंदी रचाई और लोक गीतों की मधुर स्वर लहरियों पर झूमती नजर आई। तीज के इस पावन पर्व पर ग्रामीण अंचल की परंपरा और आस्था का सुंदर संगम देखने को मिला।कविता झूंझाड़ ने बताया कि यह पर्व मां पार्वती की भगवान शिव के प्रति समर्पित तपस्या और प्रेम का प्रतीक है। इसी दिन माता पार्वती को शिव का साथ प्राप्त हुआ था, इसलिए यह पर्व सुहागन स्त्रियों के लिए विशेष महत्व रखता है। महिलाएं इस दिन व्रत रखकर सोलह श्रृंगार में शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना करती हैं। कार्यक्रम में रिया, उर्मिला, निशा, आरती, काली, कलावती, आरजू और बिमला सहित कई युवतियों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांधा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित ग्रामीणों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। इस मौके में सुमन देवी, शारदा, बीरमति, रोशनी, पूनम, अल्का, संतोष देवी, बबली, संदीप थोरी, प्रदीप कुमार, प्रीतम सिंह, निशांत, वरिष्टी सहित सैंकड़ो महिला एवं पुरुषों तथा बच्चों ने बढ़ चढ़कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

रतिया मॉडल टाउन में महिलाओं ने तीज पर नाटक का किया मंचन

रतिया। मॉडल टाउन में महिलाओं ने तीज का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर ज्योति गोयल, दामिनी भारती, पूजा अरोड़ा व अन्य महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में नाटक का मंचन किया और श्रवण मल्हार गाकर झूले का आनंद लिया। तीज का त्यौहार सुहाग का प्रतीक है, जिसमें महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सलामती के लिए व्रत रखती हैं और मां पार्वती और भगवान शिव की पूजा करती हैं। महिलाओं ने इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने मेहंदी लगाई और झूले झूलकर तीज के त्यौहार का आनंद लिया। कार्यक्रम में शहर के जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए और तीज के अवसर पर किए गए कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर मेहंदी और झूले महिलाओं ने मेहंदी लगाई और झूले झूलकर तीज के त्यौहार का आनंद लिया। पारंपरिक वेशभूषा महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में नाटक का मंचन किया और श्रवण मल्हार गाकर झूले का आनंद लिया। इस अवसर पर महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं और अपने परिवार के साथ मिलकर त्यौहार का आनंद लिया।

मोहम्मदपुरिया में तीज पर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

सिरसा। जिला के गांव मोहम्मदपुरिया में रविवार को तीज का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। आंगनवाड़ी वर्कर गायत्री, मोनिका और सुपरवाइजर मनीषा ने उपस्थित सभी माताओं और बेटियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बारे में जानकारी दी। इस दौरान छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं जिसमें हरियाणवी लोकगीतों और पारंपरिक नृत्य भी शामिल था। आंगनवाड़ी वर्कर्स द्वारा लड़कियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने का संदेश दिया गया और बेटियों को समाज में बराबरी का दर्जा देने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि आने वाला समय बेटियों के बिना अधूरा है और हर घर, गांव व समाज को यह समझना होगा। कार्यक्रम में बच्चों, आंगनवाड़ी वर्कर्स और ग्रामीण महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही तीज जैसे पारंपरिक त्योहारों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। समापन पर मिठाइयों का वितरण कर सभी को तीज की शुभकामनाएं दी गई। उधर, हरियाली तीज के उपलक्ष्य पर ग्राम पंचायत खारियां द्वारा शानदार संस्कृतिक प्रोग्राम किया गया, जिसमें गांव की महिलाओं व बहन-बेटियों के लिए झूले लगाए गए। सभी माताओं-बहनों के लिए खाने पीने का विशेष प्रबन्ध करवाया गया। इस प्रोग्राम की मुख्य अतिथि सरपंच माया देवी पूनियां रहीं। सरपंच ने माता को झूला देकर हरियाणा तीज के प्रोग्राम की शुरुआत की। इस मौके पर तेग बहादुर नम्बरदार, प्रधान राजेन्द्र पण्डित, विनोद पंच, राजवीर मेट, गगन मेट, रोहताश मेट, सतपाल पंच, सरोज पंच आदि ग्राम पंचायत सदस्यों ने पहुंच कर इस पर्व के उत्सव की शुरुआत की। प्रधान पण्डित ने बताया कि यह हरियाली तीज का पर्व नारी जीवन में प्रेम, आस्था, सौंदर्य और पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ करने वाला पर्व है, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा की गहराई को दर्शाता है। यह तीज सावन की हरियाली के संग नारी शक्ति की भावना और भक्ति का सुंदर संगम है। इस दिन माता-बहनें सोलह सिंगार कर गीत गाती है, झूले झूलती है।

रॉयल स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

फतेहाबाद। गांव खाराखेड़ी स्थित रायल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में हरियाली तीज का उत्सव बड़े ही धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम में कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय की छात्रा खुशमिता और नव्या ने मंच का संचालन किया। भव्या चेल्सिया और खुशमिता ने अपने भाषण के माध्यम से हरियाली तीज के इतिहास, स्वरूप व समाज में स्थान आदि बिंदुओं पर प्रकाश डाला। आठवीं कक्षा छात्राओं अनुष्का, इकनूर तथा जोशनिका ने तीज के सांस्कृतिक गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही साथ स्कूली बच्चों में प्रतिभा निखारने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें वंशिका, मानवी, श्रेया, प्राची, हरगुन, आयुषी, गुंजन, सुजया, यशिका, आरवी, कीर्ति, सना, कुसुम, जिप्पी, खुशी एवं मुस्कान सबसे सुंदर मेहंदी लगाकर पुरस्कार प्राप्त करने में सफल रहीं। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने पेड़ों पर डाले गए झूलों पर झूला झूलने का आनंद लिया। स्कूल चैयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह, निदेशिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा ने हरियाली तीज की बधाई दी। डॉ. ज्योत्स्ना ने कहा कि हरियाली तीज हमारी संस्कृति के सबसे पवित्र महीने श्रावण में आने वाला पहला त्योहार है।इसी समय वर्षा ऋतु भी अपनी बौछारों से प्रकृति को खुश करने में लगी होती है। इस अवसर पर स्कूल उपप्रधानाचार्या प्रगति, सीनियर कॉ-ऑर्डिनेटर पूनम बिश्नोई, स्कूल सह पाठ्यचर्या गतिविधि प्रभारी वर्षा तथा अन्य अध्यापक उपस्थित थे।

केशव गोवर्धन गोशाला की कार्यकारिणी गठित, श्याम तनेजा अध्यक्ष नियुक्त

- गुलशन मेहता व गगन मंगला को ग्रामीण मंडल प्रभारी चुना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

लाली रोड स्थित केशव गोवर्धन गोशाला कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को श्याम तनेजा की अध्यक्षता में गोशाला प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसमति से नई कार्यकारिणी गठित की गई। इसमें विद्यासागर बाघला को संरक्षक, संजय मक्कड़ को संयोजक, श्याम तनेजा को अध्यक्ष, संदीप ग्रोवर को महासचिव, राजन कक्कड़ को कैशियर, सतीश चोपड़ा, रोहित चुघ, विन्नी वाधवा, रमन बलाना, दिनेश तनेजा, आदर्श ग्रोवर को उपाध्यक्ष, परवीन तनेजा को सचिव, दीपक तनेजा को सह सचिव, संजय चुघ को सह कैशियर, - गुलशन मेहता व गगन मंगला को ग्रामीण मंडल प्रभारी, अनिल चुघ को सम्पर्क प्रमुख चुना गया। इसके अलावा सतीश हांडा, नवनीत मेहता, विज्ञानसागर बाघला, विजय चुघ, नरेश बंसल को निर्देश मंडल, बलदेव राज तनेजा, विक्की मेहता, सतीश गिल्होत्रा, शिव वाधवा, बलराम नागपाल, रोमी बजाज, नरेश बजाज को वरिष्ठ सलाहकार, रविंदर मलिक, जग्गा सिंह को प्रोडक्शन प्रमुख, बॉबी गोस्वामी, विपिन चावला, सचिन ललित को प्रचार सचिव, विजेंदर चौहान व नरेंद्र मलिक को कानून सलाहकार चुना गया।

रतिया। केशव गौवर्धन गौशाला की नई कार्यकारिणी। फोटो : हरिभूमि

मौजूदा गोशाला कमेटी के समांतर 21 सदस्यीय कमेटी बनाई

गोशाला में गायों की दुर्दशा पर चल रहे विवाद के बीच सर्व समाज की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

शहर के भुना रोड पर स्थित श्री कृष्ण गौशाला में गायों की दुर्दशा पर चल रहे विवाद के बीच सर्व समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री कृष्ण गोशाला में पूर्व मैनेजर पंकज ने बताया कि समिति प्रधान विनोद बंसल ने अपने किसी चेहते को 63 ट्राली खाद दी और जब उसने खाद की पेमेंट को लेकर प्रधान से बातचीत की तो कहा वे खुद देख लेंगे जिसके कुछ दिनों बाद उसे मैनेजर पद से गौशाला से हटा दिया गया। बैठक में मौजूदा गौशाला कमेटी के समांतर 21 सदस्यीय कमेटी बनाई गई जो गौशाला का काम संभाल लेगी।

कमेटी में पूर्व पार्षद राजेंद्र बल्ली, मनु सिंगला, सुशील गोयल को कार्यकारिणी प्रधान बनाया गया। उन्होंने कहा कि अगर मौजूदा कमेटी और नई कमेटी का कोई भी काम को लेकर विवाद होता है तो इस बात को लेकर शहर के सामाजिक स्थान पर शहर वासियों के साथ बैठक की जाएगी। बैठक में कहा कि यदि मौजूदा कमेटी पीछे के वर्षों में किए कार्य का हिसाब किताब नहीं देती है तो वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। बैठक में बताया कि मौजूदा कमेटी को बुलाया था लेकिन कोई भी सदस्य नहीं आया। हरियाणा गौशाला संघ के अध्यक्ष योगेंद्र महाराज ने कहा कि श्री कृष्ण गोशाला में कार्यकारिणी का जो विवाद बना हुआ है, सबसे पहले कमेटी के लोग हो या समाज के लोग गायों की सेवा को संभालना चाहिए। गौ सेवा का कार्य सेवा का कार्य है इसलिए प्रधान को लेकर प्रतिस्पर्धा नहीं है यह तो सेवा है इसलिए सभी को आना चाहिए। प्रधानी को लेकर कोई लड़ाई कार्य नहीं होना चाहिए, जो भी व्यक्ति विवाद कर रहा है या गलत कार्य कर रहा है तो डीसी, एसपी को जांच के बाद सुचारू व्यवस्था करवानी चाहिए। वे डीसी-एसपी से मांग करते है कि वहां जाकर सुचारू व्यवस्था कराई जाए। वे गौशाला संघ की ओर से कहते है कि यदि कोई कार्यकर्ता या कार्यकारिणी इस गौशाला को नहीं संभालेंगे तो गौ रक्षा दल हरियाणा के कार्यकर्ता वहां काम संभालने का कार्य करेंगे, जो अभी संभाल रहे है उन्हे साधुवाद है। अध्यक्ष ने कहा कि अपने कार्यकर्ता गौरव गोयल को गाय को चारा डालने के लिए कहा है, प्रशासन से यही अनुरोध है कि उक्त व्यवस्था को सुचारू रूप से चलवाए।

- बैठक में कहा कि यदि मौजूदा कमेटी पीछे के वर्षों में किए कार्य का हिसाब किताब नहीं देती है तो वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगे

गांव साहुवाला में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

देसी नस्ल की गाय का पालन करें किसान: साध्वी भारती

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गांव साहुवाला में किए गए धार्मिक कार्यक्रम में साध्वी पूशा भारती ने उपस्थितजनों को भारतीय संस्कृति की धरोहर गौसेवा के बारे में प्रेरित करते हुए भारतीय संस्कृति की देसी नस्ल की गाय के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में भारतीय नस्ल की 37 प्रकार की गाय पाई जाती थी। साहीवाल जो पंजाब की नस्ल है, गीर गुजरात की नस्ल है, थारपारकर राजस्थान की। उन्होंने कहा कि हमारा समाज, हमारे किसान भारतीय नस्ल की गाय को छोडक़र पश्चिमी सभ्यता की अंग्रेजी जर्सी गाय को पाल रहे हैं। एक पशु के नाते उसकी पालना करनी अच्छी बात है, लेकिन हमारे वैज्ञानिकों ने लिखा है कि जर्सी गाय के दूध में एक बीसीएम 7 नाम का तत्व, जोकि इंसान की सेहत के लिए बहुत ही नुकसानदायक है। यह पदार्थ जर्सी गाय के दूध में पाया जाता है। जो व्यक्ति अत्यधिक मात्रा में इसका सेवन करता है, वो अनेक बीमारियों से ग्रसित हो जाता है।

सिरसा। कार्यक्रम को संबोधित करती साध्वी पूशा भारती। फोटो : हरिभूमि

हर खुशी के अवसर पर पौधारोपण भी जरूरी: दंदीवाल

सिरसा। जिला के अलीकां गांव में पर्यावरण प्रेमी गुरनैब सिंह दंदीवाल ने अपनी बेटी नवदीप कौर के जन्मदिन पर गुरुद्वारा साहिब में जामुन का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दंदीवाल बेटी के जन्मदिन पर हर साल पौधारोपण करते आ रहे हैं और उनकी उचित देखभाल भी करते हैं। विदेश में पढ़ाई कर रही नवदीप कौर ने अपने जन्मदिन पर गांव में पौधा रोपण करने की इच्छा जताई थी, जिससे प्रेरित होकर उनके पिता ने बेटी के नाम पौधे रोपित कर पेड़ बनने तक उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस पहल से क्षेत्र में हरियाली और खुशहाली बनाए रखने की उम्मीद जगी है, जो हमें प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाती है। दंदीवाल ने कहा कि खुशी के अवसर पर पौधारोपण जरुर करना चाहिए ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। पौधारोपण के बाद समय समय पर उसकी उचित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि पौधरोपण करना।

सिरसा। बेटी के जन्मदिन पर पौधारोपण करते गुरनैब सिंह दंदीवाल। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

बाबा बघेल सिंह की बरसी पर लगा जांच शिविर

सिरसा। गुरुद्वारा चिल्ला साहिब में कथावाचक मनदीप सिंह मुरीद ने कहा कि हमें न केवल इस धरती को स्वस्थ, साफ सुथरा रखना है, बल्कि हवा एवं जल को स्वच्छ रखने के लिए पौधों को लगाना और उन्हें संभालने का निर्वहन भी करना है। वे बीते शनिवार को जत्थेदार बाबा बघेल सिंह की बरसी पर उपस्थित साध संगत को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में कार सेवा गुरुद्वारा चिल्ला साहिब ट्रस्ट की ओर से वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए संगत को पौधे वितरण करने की भी विशेष रूप से चर्चा की। इस दौरान ट्रस्ट की ओर से आयोजित मेडिकल कैप भी लगाया गया जिसमें 600 श्रद्धालुओं की जांच कर उन्हें परामर्श के साथ दवाएं भी दी गई।

दो बाइकों की टक्कर, बुजुर्ग घायल

फतेहाबाद। गांव हांसपुर के समीप दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई टक्कर में एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए फतेहाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। आरोप है कि हादसे के आरोपी मोटरसाइकिल चालक ने शराब का नशा किया हुआ था। इस मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में 60 वर्षीय महेन्द्र सिंह निवासी लोहगढ़ रोड, गांव हांसपुर ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। गत दिवस वह घरेलू सामान लेने के लिए मोटरसाइकिल पर सवार होकर गया था। जब वह रात को हांसपुर से घरेलू सामान लेकर वापस अपनी ढाणी की तरफ जा रहा था तो रास्ते में मोटरसाइकिल सवार ने सीधी टक्कर दे मारी।

स्वास्थ्य शिविर में 132 मरीजों की हुई जांच

टोहाना। सेवा भारती शाखा द्वारा रविवार को वार्ड नंबर 3 गुप्ता कॉलोनी में समाजसेवी बजरंग गर्ग के आर्थिक सौजन्य से निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 132 मरीजों के स्वास्थ्य जांच के तहत निशुल्क शुगर टेस्ट के बाद दवाइयां वितरित की गई। इस शिविर में डॉ. शिव सचदेवा ने सेवाएं अर्पित की। इस शिविर में सेवा भारती के अध्यक्ष सतप्रकाश शर्मा, सचिव कृष्ण गिल, जिला सह सचिव तरसेम कांसल, जिला प्रचार प्रमुख सुभाष जैन, हरि चंद मौका, ऋषि राज गिरधर, बाबूराम, शशि भूषण गुप्ता तथा संजय जैन ने कैंप में सहयोग दिया। इसके अतिरिक्त वार्ड 3 के रविंदर, विनोद, अशोक सैनी तथा विंकल गुलाटी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दौरान वार्ड से समाजसेवी धर्मपाल सैनी, बलजीत सिंह, सरदारा राम सैनी तथा भीम सिंह ने कैंप लगाने के लिए सेवा भारती का धन्यवाद किया।

नशे के ओवरडोज से मौत के मामले में आरोपी काबू

डबवाली। शहर थाना डबवाली पुलिस ने मादक पदार्थ के अधिक सेवन से हुई मौत के मामले में आरोपी गुरप्रीत उर्फ प्रदीप पुत्र पप्पू राम निवासी गांव डबवाली को काबू किया है। शहर थाना डबवाली प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि सुखदेव सिंह पुत्र वीर सिंह निवासी गांव डबवाली के बयान पर आरोपियों द्वारा उसके पुत्र मनजीत को अपने घर ले जाकर अधिक मात्रा में मादक पदार्थ देने पर उसकी तबीयत खराब हो गई। सूचना मिलते ही वह अपने पुत्र को लेकर सरकारी अस्पताल डबवाली ले गया। जहां पर डॉक्टरों ने मनजीत को मृत घोषित कर दिया। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पकड़े गए आरोपी गुरप्रीत उर्फ प्रदीप को अदालत में पेश किया गया जो आदेशानुसार बंद जेल करवाया गया।

धार्मिक

धूमधाम से मनाया श्री श्यामा महादेव मंदिर के तीसरा स्थापना महोत्सव

भजन संध्या व भंडारे का किया आयोजन

भोले की बारात चली गज बज के और कब आएगा मेरा सांवरिया...भजनों पर थिरके भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

अनाज मंडी श्री श्याम बगीची धाम स्थित श्री श्यामा महादेव मंदिर के तीसरे स्थापना महोत्सव पर विशाल भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि बगीची परिसर में स्थित श्री श्यामा महादेव मंदिर का तीसरा स्थापना महोत्सव बहुत ही श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शिवालय एवं श्याम बाबा का दरबार को भव्य रुप से सजाया गया। उन्होंने बताया कि श्री श्यामा महादेव मंदिर की स्थापना समाजसेवी सतीश परुथी द्वारा करवाई गई थी। रात सवा आठ बजे जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। उन्होंने भोले बाबा, हनुमान जी व बाबा श्याम के भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद बठिंडा से आई भजन गायिका आरती खन्ना ने भोले बाबा के भजन- काशी से आए भोले नाथ गोरा मैया को लाए साथ, भोले की बारात चली गज बज के, भांग रगड़ के पिया करु मैं कुंडी सोटे हाला सूं, क्यू घबराउ मैं मेरा तो श्याम से नाता है, कब आएगा मेरा सांवरिया, हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। भजनों पर भक्त जमकर झूमे। भजनों के दौरान भोले बाबा, पार्वती की सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गई। भजनों संध्या के दौरान लक्की ड्रा निकाला गया जो जिसमें बाबा शिव भोले का चांदी त्रिशुल जनक राज शेरपुरा को दिया गया। भजन संध्या के समापन पर बाबा भोले की आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

सिरसा। भजनों की प्रस्तुति देते हुए भजन गायक। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

शहीदी महासम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर

सिरसा। मुख्य डेरा बाबा भूमणशाह, ग्राम बाबा भूमणशाह सिरसा में आगामी 31 जुलाई को आयोजित किए जाने वाले शिरोमणि शहीद उधम सिंह कंबोज के 85वें शहीदी महासम्मेलन की तैयारियां जोरों से की जा रही हैं। इस कड़ी में कार्यक्रम को लेकर गांव-गांव में डोर-टू-डोर प्रचार किया जा रहा है। बाबा ब्रह्मदास महाराज के सान्निध्य में यह महासम्मेलन आगामी 31 जुलाई को होगा जिसमें अनेक धार्मिक व सामाजिक आयोजन होंगे। डेरे के सेवक सचिव विनोद एडवोकेट ने बताया कि रानियां, ऐलनाबाद, सिरसा, कालांवाली, डबवाली में देशभक्तों द्वारा सम्मेलन के प्रचार प्रसार का जिम्मा अपने हाथों में लिया है।

चोरी का आरोपी काबू सामान बरामद

सिरसा। शहर थाना सिरसा पुलिस ने चोरी के एक मामले में एक आरोपी को काबू किया है जिसकी पहचान मोहित कुमार निवासी सरकूलर रोड, अबोहर हुई है। आरोपी से चोरीशुदा सामान भी बरामद किया गया है जिसमें एक लेडिज़ घड़ी, दो जेंट्स घडिय़ां तथा एक मोबाइल ईयरफोन शामिल हैं। शहर थाना सिरसा प्रबंधक उप निरीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि बीती 24 जुलाई 2025 को सिरसा निवासी संजीव कुमार की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर जांच आरंभ की गई थी। इसी जांच की कड़ी में पुलिस ने उक्त आरोपी मोहित कुमार को काबू कर उससे पूछताछ की जिसमें आरोपी ने उपरोक्त चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया और चोरीशुदा सामान की बरामदगी करवाई। उन्होंने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल सिरसा में भेजा गया है।

छात्रवृति के लिए आवेदन किए आमंत्रित

सिरसा। श्री विश्वकर्मा एजूकेशन ट्रस्ट सिरसा द्वारा जांगिड़/सुथार समाज के मेधावी विद्यार्थियों से वर्ष 2025-26 की छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसे लेकर ट्रस्ट पदाधिकारियों की रविवार को एक मीटिंग हुई जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष ओमप्रकाश सुथार ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से परीक्षाओं में समाज के मेधावी विद्यार्थियों को हर वर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थी 1 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे तक आवदेन भेज सकते हैं।

ऐलनाबाद इनेलो महिला सेल कार्यकारिणी घोषित

सिरसा। इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने रविवार को ऐलनाबाद हलका की महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित की। घोषित कार्यकारिणी में सावित्री देवी को वरिष्ठ उपप्रधान बनाया गया है, वहीं संतोष पार्षद, कैलाश, माया देवी व सुनीता को संयुक्त रूप से उपप्रधान पद की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सुमन को प्रधान महासचिव पद सौंपा गया है। इसी प्रकार पुष्पा, सीता देवी, अमन ज्योति, सोनू, पुष्पा, सरस्वती, कमला व रूखसाना को सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है।

कश्मीरी तथा गोल्डन में नॉर्मल लहसुन की तुलना में एलिसिन की मात्रा कई गुना ज्यादा, शरीर के लिए फायदेमंद

कश्मीरी तथा गोल्डन लहसुन की खेती कर 6 लाख प्रति एकड़ की आमदनी ले रहा भूथनखुर्द का किसान रवि

दलबीर सिंह ⏭ भूना

भूथनखुर्द गांव का एक युवा किसान खेती करने की विधि का नया तरीका अपना कर प्रति एकड़ 6 लाख से अधिक की कश्मीरी लहसुन तथा गोल्डन लहसुन की पैदावार ले रहा है। इसके अतिरिक्त किसान ने अपने खेत का बीज तैयार करके मोटा मुनाफा कमाया है, जो दूसरे किसानों के लिए खेती की पढ़ाई में परिपूर्ण रवि पूनिया प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। युवा किसान रवि पूनिया राजनीतिक विज्ञान से एमए करने के साथ अपने पिता सुभाष चंद्र पूनिया के साथ मिलकर खेती का कार्य कर रहा है। कश्मीरी एवं गोल्डन लहसुन किस्म का मार्केट भाव ढाई सौ से लेकर 400 प्रति किलो बीएससी एग्रीकल्चर एवं राजनीतिक विज्ञान से एमए युवा किसान रवि पूनिया ने बताया कि कश्मीरी एवं गोल्डन लहसुन की खेती किसानों के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। क्योंकि परम्परागत खेती में लागत से ज्यादा खर्चा हो जाता है, इसलिए किसान आर्थिक रूप से उबर नहीं पाते। किसान आम खेती को छोडक़र दूसरी खेती की विधि को अपनाए तो आर्थिक रूप से संपन्न हो सकते हैं। लहसुन की कश्मीरी व पीला तथा गोल्डन गारालिक किस्म की पैदावार किसानों की किस्मत बदल रही है। गोल्डन लहसुन लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है और उपरोक्त लहसुन बीमारी मुक्त रहता है जिसकी लागत कम आती हैं और पैदावार ज्यादा रहती है। लहसुन में किसी भी प्रकार के फफूंदीनाशी व कीटनाशी का प्रकोप नहीं आता है, जो शत- प्रतिशत रोगाणु मुक्त फसल है। लहसुन की फसल की देखभाल आम लहसुन की खेती की तरह होती है और उत्पादन की क्षमता आम लहसुन के मुकाबले चार गुना ज्यादा होती है। किसान ने बताया कि प्रत्येक लहसुन का वजन 250 ग्राम सामान्य से लेकर 800 ग्राम तक चला जाता है, जबकि आम देसी लहसुन से वजन के मुकाबले में वजनदार होता है और कालियां प्रति लहसुन 5 से 7 ही निकलती है। कश्मीरी एवं गोल्डन गारालिक लहसुन का मार्केट भाव तीन हजार रुपये प्रति किलो चल रहा है। किसानों को एक ही प्रकार की लगातार खेती नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से जमीन की उपजाऊ शक्ति घट जाती हैं। किसानों को बागवानी एवं लहसुन तथा सब्जी की खेती को बढ़ावा देना चाहिए। किसानों को इससे मुनाफा कई गुना बढ़ेगा और जमीन की मिट्टी का सुधारीकरण होगा।

भूना। भूथनखुर्द गांव के युवा किसान रवि पूनिया कश्मीरी लहसुन दिखाते हुए।

गठिया व जोड़ों के दर्द में रामबाण

किसान रवि पूनिया ने बताया कि कश्मीरी एवं गोल्डन लहसुन औषधीय गुण खेती है। उपरोक्त लहसुन गठिया रोगों व जोड़ों के दर्द में रामबाण है। बल्ड सर्कुलेशन व कोलेस्ट्रोल एवं हृदय रोगों में गुणकारी है। नॉर्मल लहसुन की तुलना में एलिसिन की मात्रा कई गुना ज्यादा होती है जो शरीर के लिए फायदेमंद है, इसलिए गोल्डन गारालिक लहसुन मार्केट में तीन हजार रुपये किलो तक बिक रहा। किसान आम साधारण लहसुन के भाव में लगातार उतार चढ़ाव के कारण अच्छा भाव न मिलने के कारण काफी चिंतित रहते हैं। अगर वे किसान साधारण लहसुन की जगह कश्मीरी एवं गोल्डन गारालिक लहसुन की खेती करें तो अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। किसान रवि पूनिया के मुताबिक इस लहसुन को लंबे समय तक स्टोर करके भी रखा जा सकता है, ताकि बाजार भाव में उछाल आने पर बेचा जा सके, जबकि सामान्य लहसुन को स्टोर कर पाना मुश्किल है। कश्मीरी एवं गोल्डन गारालिक लहसुन की खेती में प्रति एकड़ संपूर्ण खर्चे काटकर 6 लाख रुपये की शुद्ध कमाई होती है।

संगठित अपराध और अराजकता का केंद्र बना गया हरियाणाः सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस हरियाणा की पहचान हरियाली और खुशहाली के रूप में होती थी, आज उसकी पहचान रोजाना हो रही ताबड़तोड़ फायरिंग को लेकर होती है। बेकाबू अपराध के चलते आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। फायरिंग, फिरौती, रंगदारी, लूट, डकैती, हत्या और दुष्कर्म लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा सरकार लगातार जनता के इस दर्द को अनदेखा कर रही है। कानून व्यवस्था के बिगड़े हालात को देखकर यहीं कहा जा सकता है कि प्रदेश में भाजपा सरकार लाचार खड़ी और प्रदेश में माफिया और जंगलराज है। सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को जारी एक प्रेस बयान में कहा कि भाजपा के 11 साल के राज में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है, नतीजा आम आदमी भय के साये में जीने को मजबूर है या प्रदेश से पलायन के बारे में सोच रहा है। इससे लोग भी निराश है।

जिले में दो लाख घरों का सर्वे करेगा स्वास्थ्य विभाग

डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग का रेपिड फीवर सर्वे अभियान शुरू, अस्पताल के कबाड़ में मिला लार्वा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

मानसून सीजन के बाद मच्छर की भरमार के चलते प्रतिवर्ष डेंगू की बीमारी फैल जाती है। इसी के चलते स्वास्थ्य विभाग ने मानसून के शुरू होते ही डेंगू की मरीजों व लारवे को लेकर सर्वे का काम शुरू कर दिया है। लारवे की पहचान करने और उसे नष्ट करने की शुरूआत स्वास्थ्य विभाग ने अपने ही घर से की है और विभाग को अस्पताल के कबाड़ में ही लारवा मिला है। सर्वे में 3 हजार से अधिक लोगों में बुखार के लक्षण पाए गए। हालांकि अभी तक डेंगू व मलेरिया का केस नहीं मिला। खास बात यह है कि विभाग ने करीब पौने दो लाख घरों का सर्वे किया और 250 परिवारों को नोटिस भी जारी किए गए। इस काम में 700 कर्मचारी जुटे हुए हैं। बरसात का मौसम चल रहा है। ऐसे में मच्छर भी पनपने शुरू हो गए है। इसी मौसम में डेंगू बीमारी भी अटैक करती है। स्वास्थ्य विभाग ने सर्वे भी शुरू कर दिया है। इस सर्वे के दौरान नागरिक अस्पताल के अंदर जो कबाड़ पड़ा है उसके अंदर ही लारवा मिला है, लेकिन यह लारवा कुछ ही था ऐसे में दवाइ डालकर इसे नष्ट भी कर दिया है। लेकिन आने वाले दिनों के लिए खतरे के संकेत अवश्य मिल रहे है। स्वास्थ्य विभाग ने इस महीने रेपिड फीवर सर्वे अभियान चलाया। इस दौरान जिले में 1,92,846 घरों का सर्वेक्षण करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से 1,72,021 घरों का सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वे में 3,091 व्यक्तियों में बुखार के लक्षण पाए गए। राहत की बात यह रही कि सर्वेक्षण के दौरान एक भी मलेरिया व डेंगू का केस नहीं मिला है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें सुबह से शाम तक घर-घर जाकर लोगों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच करती रहीं। सर्वे के दौरान संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श और दवाएं प्रदान की गईं। साथ ही जिन घरों में स्वास्थ्य व स्वच्छता संबंधी मानकों का पालन नहीं पाया गया, वहीं 248 नोटिस भी जारी किए गए। इनके घरों में डेंगू का लारवा मिला था। डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने बड़े स्तर पर अभियान चला रखा है। जिले में 260 गांव है और पांच शहर भी है। पहले चरण में 700 कर्मचारियों ने भाग लिया। 15 दिनों तक यह अभियान चलता रहेगा। अगर बीच में जरूरत पड़ेगी तो इन कर्मचारियों को फील्ड में उतारा जाएगा। उधर नागरिक अस्पताल में रक्त की जांच करने के लिए मरीज भी आ सकता है। यहां पर फ्री में सैंपल लिए जाएंगे और रिपोर्ट भी एक से दो दिन में मिल जाएगी।

फतेहाबाद। डेंगू को लेकर घरों में जांच करती स्वास्थ्य विभाग की टीम व अस्पताल में दवाई डालकर डेंगू के लारवे को खत्म करता कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

अभी तक डेंगू का केस नहीं

जिले में अभी तक डेंगू का केस नहीं है। अगले कुछ दिनों तक इस पर ध्यान रखने की जरूरत है। लोगों से अपील है कि जहां पर पानी है और वह प्रयोग नहीं हो रहा है तो उसके अंदर दवाई डाल दे इसके अलावा मिट्टी का तेल भी डाला जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग से भी दवाई ले सकते है।
-डॉ. विष्णु मित्तल, जिला महामारी रोग विशेषज्ञ फतेहाबाद।

इस प्रकार से करे बचाव

-दरवाजे व खिड़कियां बंद रखे।
-पूरी बाजू के कपड़े पहनें तथा पैर भी कपड़ों से पूरी तरह ढके हों।
-घर के आसपास साफ सफाई रखें और पानी जमा न होने दें।
-टंकी भी साफ हो।
-रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।

वर्ष 2025 में अब तक ये चला अभियान

महीना टारगेट सर्वे बुखार से पीड़ित लारवा मिला
अप्रैल 192846 139714 1939 00
मई 192846 172885 2927 55
जून 192846 159287 2575 166
जुलाई 192846 171021 3091 248

पिछले 10 सालों में डेंगू व मलेरिया के आंकड़े

वर्ष	डेंगू मरीज	मलेरिया मरीज
2015	189	107
2016	38	59
2017	419	42
2018	56	02
2019	29	05
2020	35	00
2021	993	01
2022	154	01
2023	89	02
2024	125	02
2025	00	00

मलेरिया व डेंगू के लक्षण

⏭ सिर में तेज दर्द होता है।
⏭ पीठ में दर्द होता है।
⏭ तेज बुखार आता है।
⏭ मांसपेशियों, हड्डियों व जोड़ों में तेज दर्द होता है।
⏭ आंखों के पीछे दर्द होता है।
⏭ मांसपेशियों में सूजन आ जाती है।

रतिया। अरोडवंश महासभा के नए अध्यक्ष राजपाल ग्रोवर को बधाई देते सदस्य।

राजपाल ग्रोवर बने अरोडवंश महासभा रतिया के अध्यक्ष

रतिया। अरोडवंश महासभा रतिया की बैठक टोहाना रोड पर स्थित सेठी स्वीट पर सभा के अध्यक्ष अशोक ग्रोवर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में राजपाल ग्रोवर को 2 वर्ष के लिए श्री अरोडवंश महासभा रतिया का अध्यक्ष चुना गया। इससे पहले सभा के अध्यक्ष अशोक ग्रोवर ने अपने 6 वर्ष में तीन बार सभा का अध्यक्ष बनने पर 6 वर्ष के कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिस पर समाज के सभी लोगों ने उनके 6 वर्ष के कार्यकाल के दौरान समाज के उत्थान के लिए हुए विकास कार्यों की जमकर सरहाना की। कुछ समय पहले अशोक ग्रोवर ने अपने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देकर समाज से आग्रह किया था कि किसी अन्य युवा सदस्य को समाज का अध्यक्ष चुना जाए। इस बैठक में अशोक ग्रोवर ने राजपाल ग्रोवर का नाम रखा जिस पर सभी ने सहमति जताई और सर्वसम्मति से राजपाल ग्रोवर को 2 वर्ष के लिए अध्यक्ष चुना गया। सभा के सचिव सतपाल सेठी ने मंच संचालन किया इस बैठक में फतेहाबाद से अरोड़वंश महासभा के पूर्व प्रधान मोहरी राम ग्रोवर, सुखवंत मोंगा, मुकंद लाल सेठी, सुरेश झांब, रणजीत सिंह ग्रोवर, देविन्द्र ग्रोवर सहित सदस्यों पिछले दो वर्ष के कार्यकाल को लेकर सराहा गया। इस मौके पर मुकंद लाल सेठी, अवतार धींगड़ा, प्रकाश मोंगा, देविन्द्र ग्रोवर, मदन लाल डोडा, खेमचंद मोंगा, राजेंद्र मोंगा, मोहन ग्रोवर, बलजिंद्र सिंह सेठी, डॉ. भालचंद अरोड़ा, राजेंद्र सिंह ग्रोवर, रौनक राम, प्रवीण डोडा, हरजीत अरोड़ा, प्रेम सेठी, रणजीत सिंह बिट्टू, नरेश ककड़, सतीश सेठी, हैप्पी सिंह सेठी, रामकुमार सचदेवा, शेखर ग्रोवर, सुभाष मोंगा, राजेंद्र सेठी, आदर्श ग्रोवर, दर्शन मोंगा, तेजिंद्र ग्रोवर, रामदास मोंगा, कपिल अरोड़ा, रवि सेठी, केवल ग्रोवर, रम्मी ग्रोवर सहित मौजूद रहे।

युवक को लाखों की हेरोइन सहित काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए हरियाणा एनसीबी फतेहाबाद की टीम ने रविवार को रतिया क्षेत्र में गश्त के दौरान एक युवक को लाखों रुपये की हेरोइन के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान अविनाश कुमार उर्फ विक्की निवासी नजदीक पुराना गऊशाला, बाबा तेजघर का डेरा, रतिया के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार एनसीबी फतेहाबाद यूनिट की टीम एसआई कपिल देव के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर रतिया क्षेत्र में गश्त पर थी। टीम जब छोटी नहर पुलिस, रामनगर कालोनी मोड़, रतिया के पास पहुंची तो उन्हें सूचना मिली कि अविनाश कुमार उर्फ विक्की पुत्र सेवक राम निवासी वार्ड नं. 4 रतिया हेरोइन बेचने का धंधा करता है और वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर जग्गु वाली गली, रामनगर कालोनी में हेरोइन बेचने की फिराक में घूम रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो एक युवक मोटरसाइकिल पर जग्गु वाली गली में नहर की तरफ से आता दिखाई दिया। सामने पुलिस टीम को देखकर युवक घबरा गया और मोटरसाइकिल को वापस मोडने की कोशिश करने लगा।

फूड फॉर हंगर प्रोजेक्ट के तहत की लंगर सेवा

रतिया। लायंस क्लब रतिया सिटी द्वारा डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विशाल वडेरा के आह्वान पर फूड फॉर हंगर प्रोजेक्ट के अंतर्गत कोषाध्यक्ष लायन खेमराज अरोड़ा ने रसोई कम्युनिटी सेंटर रतिया में लंगर सेवा की गई। क्लब के उपाध्यक्ष अनु ढुकिया ने बताया कि लायंस क्लब रतिया सिटी सदैव जरूरतमंद लोगों की मदद करता रहता है चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो। पुण्यतिथि, जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ पर या कोई और किसी शुभ अवसर पर क्लब मां की रसोई में जरूरतमंद लोगों की लिए लंगर सेवा करता रहता है। उन्होंने बताया कि इस स्थान पर आकर मां का सुकून मिलता है और जरूरतमंद लोगों को भोजन करते हुए देखकर आत्मा को तृप्ति मिलती है। यहां लगभग 400 से 500 तक लोग रोजाना भोजन करते हैं और लगभग 15 हजार रुपए का खर्च आता है। यह खर्च इलाके के दानी लोग करते हैं। मुख्य सेवादार राजू ने बताया कि सोमवार से रविवार तक रोजाना अलग-अलग प्रकार का भोजन बनता है और यहां के लोकल अस्पतालों में भी मरीजों को भोजन पहुंचाया जाता है। जो बुजुर्ग लोग हैं जिनका कोई सहारा नहीं है उनको भी घर तक भोजन पहुंचाया जाता है। इस अवसर पर जॉन अध्यक्ष प्रदीप बंसल, विजय ग्रोवर, सेकेट्री राजू अरोड़ा, नितेश अग्रवाल, शिव कुमार, शिंकु अरोड़ा और पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा उपस्थित रहे।

इंदाछोई में सांसद बराला ने सुना मन की बात कार्यक्रम

फतेहाबाद। राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष बराला ने रविवार को ग्राम इंदाछोई में पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मन की बात कार्यक्रम में सहभागिता की। इस मौके पर सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रत्येक विचार में राष्ट्रप्रेम, जनकल्याण और नवचेतना की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बराला ने कहा कि मन की बात सिर्फ संवाद नहीं, यह देश के हर नागरिक को जागरूक करने और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाणी में वह ऊर्जा और संवेदनशीलता है जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने बड़े उत्साह से प्रधानमंत्री के विचार सुने। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हमें न केवल प्रेरित करते हैं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाने की भावना भी जागृत करते हैं। यह कार्यक्रम देश के हर व्यक्ति को यह एहसास दिलाता है कि वह राष्ट्र निर्माण का एक अहम हिस्सा है। बराला ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है कि वे मन की बात में व्यक्त विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाएं। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करें। इस मौके पर कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भूना में बाइक सवार ने पैदल जा रही महिला में टक्कर मारी, उपचार के दौरान मौत

फतेहाबाद। भूना में एक मोटरसाइकिल ने पैदल जा रही महिला को पीछे से टक्कर दे मारी। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं आरोपी मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 4 भूना निवासी वकील ने कहा है कि गत दिवस उसकी माता कमलेश पत्नी सज्जन कुमार व उसकी पत्नी रीना रानी दोनों किसी काम से टोहाना जाने के लिए सोनी अस्पताल, भूना के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान पीछे से आए एक मोटरसाइकिल के चालक सन्नी पुत्र जयभगवान निवासी वार्ड नं. 4 भूना ने पीछे से उसकी माता कमलेश में टक्कर दे मारी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

रतिया के जैन स्थानक में मनाया गया पड़ोसी दिवस, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

पड़ोसी ही सबसे पहले आता है काम : जैन साध्वी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

जैन स्थानक में रविवार को पड़ोसी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में रतिया के अलावा बरेटा, लुधियाना, रोहतक, जींद व दिल्ली से भी सैंकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जैन साध्वियों द्वारा पड़ोसी की महिमा का गुणगान भी अपने प्रवचनों में किया और कहा कि पड़ोसी ही ऐसा पहला व्यक्ति है जो मुसीबत के समय सबसे पहले काम आता है इसलिए पड़ोसियों को आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए।

कभी लड़ाई झगड़ा नहीं करना चाहिए और पड़ोस के सभी कर्तव्य को निभाना चाहिए। इसके बाद अनाजमंडी रोड स्थित जैन स्थानक में चल रहे चातुर्मास कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए जैन महासाध्वी सुनंदा महाराज, सुसाध्वी सम्यक श्री जी महाराज एवं सिद्धायिका महाराज ने कहा कि जीवन एक बांसुरी की भांति है जो अपने में खाली और शून्य होते हुए भी मधुर संगीत की आवाज देती है। इसी प्रकार गुणवान व्यक्ति कभी भी घमंड नहीं करता। उन्होंने कहा कि संसार हमारी तमन्नाओं की प्रतिध्वनि मात्र है। यहां हमें वह नहीं मिलता जो हम अपने लिए चाहते हैं बल्कि वही मिलता है जो हम दूसरों के लिए चाहते हैं इसलिए अगर तुम्हें मान, सम्मान, इज्जत की तमन्ना है तो दूसरों को आदर देना सीखें तथा दूसरों के लिए मांगकर देखें।

सेवा का महत्व बताया : उन्होंने कहा कि महापुरुष वह जो मंगलकामना करते हैं। उसका मनोवैज्ञानिक कारण यही है कि जैसे ही हम दूसरों के मंगल की भावना निःस्वार्थ होकर करते हैं तो दूसरे का कुछ भला हो या न हो हमारा जरूर हो जाता है। जैन साध्वियों ने कहा कि व्यक्ति जहां दूसरों के सुख से दुखी होता है वही दूसरों के दुख से सुखी होने की चेष्टा करता है किंतु जिस सुख का जन्म ही दुख से हुआ हो वह हमें कब तक सुखी रख सकता है। इस अवसर पर शहर के अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

रतिया। प्रवचन में मौजूद श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि